हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 3 जून 2025

11 मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

12 सतनाली सड़क मार्ग पर करंट लगने से महिला गंभीर रूप से...

AIT KANINA PHARMACY COLLEGE
फार्मेसी करें:
ADMISSION OPEN
For Session 2025-26
B. PHARMACY Duration:- 4 Year
D. PHARMACY Duration:- 2 Year
BMLT Duration:- 3 Year
DIPLOMA IN YOGA Duration:- 1 Year
ELIGIBILITY-10+2 MEDICAL & NON-MEDICAL
OPPORTUNITIES
Hospital Pharmacist •
Sales & Marketing •
Manufacturing Pharmacist •
Retail Pharmacist •
Quality Control •
Medical Transcription •
GAHRA ROAD, KANINA | 9992696300, 9466464921, 8295003528

बारिश व बूंदाबांदी से मौसम हुआ सुहावना, आज से तीन दिन बारिश की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

मई महीने के बाद अब जून महीने की शुरुआत में भी हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। सम्पूर्ण इलाके में बादलों की आवाजाही बनी हुई है और सम्पूर्ण इलाके में तेज गति से हवाएं, अंधड़ चलने के साथ कुछ स्थानों पर हल्की बारिश व बूंदाबांदी की गतिविधियों को दर्ज किया जा रहा है। जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके में लगातार तापमान में गिरावट जारी है। मई महीने में पश्चिमी विक्षोभों द्वारा मौसम परिवर्तनशील बना रहा और लगातार तेज गति से हवाएं, अंधड़ चलने व हल्की से मध्यम बारिश ने सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बड़े उलटफेर और बदलाव देखने को मिले। नौतपा के शुरूआत से अंत तक लगातार तेज गति से हवाएं अंधड़, बादलवाही और हल्की से मध्यम बारिश ने नौतपा के तेवरों को धो डाला व लगातार मौसम मई महीने के विपरित बना रहा झुलसाने वाली गर्मी का हरियाणा एनसीआर दिल्ली से खात्मा कर दिया।

पश्चिमी प्रणाली से जून महीने की शुरुआत में मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में तेज गति से हवाएं, अंधड़ चलने और हल्की तथा बारिश बूंदाबांदी की गतिविधियों से मौसम के मिजाज को ठंडा कूल बना रखा है। यह मौसम प्रणाली जैसे ही आगे बढ़ी, उसके पीछे पीछे उसी श्रृंखला में सोमवार को नया पश्चिमी विक्षोभ परिसंचरण तंत्र के रूप में उत्तरी पाकिस्तान व आसपास के क्षेत्र के ऊपर वायुमंडल के मध्य स्तरों में अवस्थित है, जो रात तक उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर पहुंच जाएगा और उत्तरी राजस्थान पर एक चक्रवातीय सर्कुलेशन बनने से पांच जून तक हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं, अंधड़ चलने व गर्ज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बन रही है।

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि दक्षिणी पश्चिमी व पूर्वी हवाओं के साथ बंगाल की खाड़ी व अरब सागर की खाड़ी से नमी की आपूर्ति होगी। वर्तमान में राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 33.0 डिग्री सेल्सियस से 40. 0डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किए जा रहे हैं। राज्य के अधिकांश भागों में दो से पांच जून के दौरान तीव्र आंधी, बारिश की प्रबल संभावना है। जिसकी वजह से भारतीय मौसम विभाग ने सम्पूर्ण इलाके पर येलो अलर्ट जारी कर दिया है। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर तापमान सामान्य से 4.0 डिग्री से 9.0 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट देखने को मिली। जिससे सम्पूर्ण इलाके में मौसम सुहावना बना हुआ है।

कनीना। गुढ़ा गांव में आंधी व बारिश से गिरा बिजली का खंभा व टूटकर गिरा पेड़। फोटो: हरिभूमि

आंधी बारिश से गिरे बिजली के खंभे व पेड़

कनीना। क्षेत्र में तेज आंधी व बारिश के कारण गुढ़ा में गिरे बिजली के खंभे व पेड़ों के कारण सोमवार को भी बिजली सप्लाई बहाल न हो सकी। जिससे ग्रामीणों के राजमर्रा के कार्य अटक गाए वहीं इंवर्टर बैटरी भी जवाब दे गए। 33 केवी पावर ग्रिड सब स्टेशन गुढ़ा के अंतर्गत बिजली लाइनों को सर्वाधिक नुकसान होने से पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है। मोबाइल के बैटरी जवाब दे गई हैं। वहीं बिजली सप्लाई न होने के कारण मथानी का कार्य ब्रेक हो गया है। करीब 60 एमएम बारिश के बाद भले ही मौसम सुहावना हो गया, लेकिन हाल में बिजाई किए गए बाजरे की रपट हो गई। नकुसान भुगत कर किसानों को अब पुनः बाजरे की बिजाई करनी पड़ेगी। आंधी बारिश के अनेक पेड़ों साथ बिजली के खंभे गिर गए। जिसे ठीक करने के लिए बिजली कर्मचारी मशक्कत कर रहे हैं। प्री मॉनसून की अच्छी बारिश ने नौतपा की बढ़ती गर्मी पर फिलहाल रोक लगा दी है।

जिले में कहां कितनी बारिश

जिले में रविवार रात को नारनौल में 6.7 एमएम, महेंद्रगढ़ में 11.0 एमएम, कनीना में 54.0 एमएम, अटेली में 30.0 एमएम, नांगल चौधरी में 5.0 एमएम व सतनाली में 10.0 एमएम बारिश हुई। वहीं जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन तथा रात का तापमान क्रमशः 34.0, 23.0 डिग्री सेल्सियस व 33.4, 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले में दिन के तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस व रात के तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से नीचे बने हुए हैं।

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत

महेंद्रगढ़। सतनाली में हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, वहीं दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस को दी गई शिकायत में सतनाली के श्यामपुरा के रहने वाले पुलवेंद्र सिंह ने बताया कि बीती रात को करीब सवा आठ बजे वह खाना खाकर नांधा रोड पर टहल रहा था। इस दौरान उसके ताऊ का लड़का मंजीत व उसका दोस्त शेखर बाइक पर सवार होकर गांव नांधा से उनके गांव की ओर आ रहे थे। इस दौरान श्यामपुरा की तरफ से एक बाइक ड्राइवर ने गलत दिशा से तेज लाते हुए उनको टक्कर मार दी।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक कल

नारनौल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक यादव धर्मशाला में चार जून प्रातः नौ बजे आयोजित की जाएगी। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान घनश्याम शर्मा करेंगे। बैठक में राज्य कार्यकारिणी की ओर से किए गए फसलों से सभी सदस्यों को अवगत करवाया जाएगा। जिला प्रधान घनश्याम शर्मा ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नौ जुलाई को केंद्रीय ट्रेड यूनियन के आह्वान पर 15 जुलाई को अखिल भारतीय स्तर पर उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

कल मनाई जाएगी कबीर जयंती

नारनौल। संत कबीर आश्रम मंदिर ट्रस्ट मोहल्ला इंद्रा कॉलोनी वार्ड नं 15 में 4 जून को प्रातः 9:30 बजे संत शिरोमणि कबीर दास महाराज का जयंती समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर मुख्य रूप से रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर व 60 वर्षों से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए कान की मशीन, घुटनों व कमर के लिए उपकरण आदि जांच के बाद दिए जाएंगे। वार्ड पार्षद देवेंद्र ने यह जानकारी दी।

वार्षिक संत सम्मेलन और भंडारा 6 को

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव कांटी में आगामी 6 जून को निर्जला एकादशी का पर्व पर संत सम्मेलन ओर भंडारा आयोजित होगा। सरपंच देबू सिंह ने बताया कि तपस्वी,उच्च कोटि के ब्रह्मलीन संत जयरामदास महाराज के शुभ आशीर्वाद ओर दादर धाम के महंत भवानीदास महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित होगा। तीन जून को दादूवाणी पाठ, कल चार जून को रामायण पाठ, पांच जून को सम्पूर्ण रात्रि भजन संध्या, छह जून को संत सम्मेलन, संतों की विदाई और भंडारा आयोजित होगा।

सरल पोर्टल की तकनीकी खामी के कारण जाति प्रमाण पत्र नहीं हो रहे जारी

सरल पोर्टल हुआ ठप : पटवार घर व साइबर कैफे के चक्कर काट रहे युवा

- कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट की तैयारी की बजाय युवा पटवार घर व साइबर कैफे के चक्कर लगाने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

प्रदेश में सरकारी नौकरी की चाह रखने वाले युवा इन दिनों कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट की तैयारी करने के बजाय पटवार घरों और साइबर कैफे के चक्कर लगाने को मजबूर है। सरल पोर्टल की तकनीकी खामी के कारण जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं हो पा रहे है, जिससे हजारों युवाओं के सीईटी फॉर्म भरने में बाधा आ रही है। स्थिति इतनी गंभीर है कि युवा रात-रात भर जागकर अपने दस्तावेज बनवाने और फॉर्म भरने की कोशिश कर रहे है।

प्रदेश सरकार ने सरकारी नौकरी के लिए सीईटी पास करना अनिवार्य कर दिया है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने सीईटी का विज्ञापन जारी कर दिया है जिसमें जाति प्रमाण पत्र से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए है

नारनौल। सरल पोर्टल एरर

हालांकि हरियाणा निवास प्रमाण पत्र के लिए कोई विशेष निर्देश नहीं है फिर भी युवा एक अप्रैल के बाद जारी दस्तावेजों के साथ ही फॉर्म अप्लाई करना सुरक्षित मान रहे है। इसके लिए उन्हें स्थानीय सरपंच, नंबरदार और पटवारी की रिपोर्ट के बाद सीएससी पर जाकर सरल पोर्टल से आवेदन करना होता है। समस्या यह है कि पिछले आठ दिनों से सरल पोर्टल पर तकनीकी खामी के कारण जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं हो रहे है। हरियाणा निवास प्रमाण पत्र तहसीलदार कार्यालय से सत्यापित होकर जारी होता है जबकि जाति प्रमाण पत्र ऑटो मोड पर जारी किया जाता है। सरल पोर्टल की इस खराबी के कारण युवाओं के सीईटी फॉर्म नहीं भरे जा रहे है जबकि सीईटी साइट पर फिलहाल कोई दिक्कत नहीं है। जानकारी के अनुसार परिवार पहचान पत्र पोर्टल सही काम कर रहा है।

पांच दिन से की जा रही भागदौड़

युवा मोहित कुमार ने बताया कि वह पिछले पांच दिनों से तहसील और सीएससी सेंटरों के बीच भागदौड़ कर रहा है। उसका हरियाणा निवास प्रमाण पत्र अटक गया है। पहले पटवारी से रिपोर्ट लेने में दो दिन लगे, फिर जब सरल पोर्टल पर अप्लाई करने गया तो वहां बताया गया कि साइट काम नहीं कर रही। हर बार यही सुनने को मिलता है कि थोड़ी देर में चेक करना या कल आना। अब सीईटी फॉर्म की आखिरी तारीख करीब आ रही है और डर है कि कहीं वह फॉर्म ही न भर पाएं। पढ़ाई पर ध्यान देने की बजाय वह सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है।

तीन दिन से नहीं चल रही साइट

युवा संजय कुमार ने बताया कि बड़ी मुश्किल से परिवार पहचान पत्र में अपनी आय ठीक करवाई थी ताकि जाति प्रमाण पत्र बन सके। अब जब जाति प्रमाण पत्र के लिए सरल पोर्टल पर अप्लाई करने गई तो पिछले तीन दिन से साइट ही नहीं चल रही। गांव से शहर आने-जाने में रोज पैसे खर्च हो रहे है और समय भी बर्बाद हो रहा है। सरकार ने पारदर्शिता के लिए पोर्टल बनाए है लेकिन जब वो चलते ही नहीं, तो हमारा क्या फायदा?

क्या कहते है पटवारी एसोसिएशन प्रधान

नारनौल तहसील पटवारी एसोसिएशन के प्रधान यादवेंद्र ने हरिभूमि को बताया कि नागरिक उनके पास हरियाणा निवास प्रमाण पत्र की फाइलों की तस्दीक के लिए आ रहे है। वे तुरंत सरपंच, नंबरदार और दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें तस्दीक करके दे रहे हैं।

हरिभूमि टीम ने की बातचीत...युवा हो रहे परेशान

जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए काट रहा चक्कर

युवा योगेन्द्र कुमार ने बताया कि सात दिनों से जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सीएससी सेंटर के चक्कर लगा रहे है लेकिन सरल पोर्टल नहीं चलने की वजह से एप्लीकेशन जमा नहीं हो रही है। एचएसएससी ने सीईटी फॉर्म की अंतिम तिथि 12 जून तय की है और वे फॉर्म भरने की जल्दी में है ताकि बाद में साइट स्लो न हो जाए।

पटवारी कार्यालय के काटने पड़े चक्कर

युवा सूरज कुमार ने बताया कि वह प्राइवेट कंपनी में काम करता है। नए दस्तावेज बनवाने के लिए पटवारी कार्यालय के चक्कर लगाने के बाद पटवारी की तस्दीक तो हो गई लेकिन सरल केंद्र पर साइट नहीं चलने की जानकारी मिली। मुश्किल से दो दिन की छुट्टी लेकर आए थे लेकिन अब न तो कंपनी जा पा रहे है और न ही दस्तावेजों का काम हो पा रहा है।

चार दिन से परेशान, नहीं हो रहे पत्र जारी

युवा अंकित जांगिड़ ने बताया कि सरल पोर्टल के चक्कर में बीते चार दिन से जाति प्रमाण पत्र और हरियाणा निवास प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ है। 28 मई को सरल पोर्टल से चार घंटे में अप्लाई हुआ था लेकिन अब वो जारी नहीं हो रहा है। वे बार-बार सीएससी सेंटर के चक्कर लगा चुके है और सरकार के पारदर्शिता के लिए बनाए गए पोर्टल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते है।

सरल पोर्टल की वजह से समय हो रहा खराब

युवा रोहित यादव ने बताया कि सीईटी फॉर्म भरने के लिए नए दस्तावेज की जरूरत है। चार घंटे लंबे इंतजार के बाद पटवारी की रिपोर्ट मिली है। शनिवार और रविवार की छुट्टी होने की वजह से पटवार घर में भीड़ अधिक है। सभी युवा फॉर्म भरने के लिए उत्सुक है लेकिन सरकार के सरल पोर्टल की वजह से उनका समय खराब हो रहा है।

नारनौल। खाद बीज की दुकान पर छापा मारने पहुंची टीम। फोटो: हरिभूमि

डीएपी खाद की अधिक कीमत वसूलने पर दुकानदार का लाइसेंस निरस्त

नारनौल। गुप्तचर विभाग की सूचना पर गांव फैजाबाद में किसान खाद बीज भण्डार पर कृषि एंव किसान कल्याण विभाग नारनौल की टीम द्वारा छापा मारा गया। मौके पर एक किसान दो बैग डीएपी खाद आईपीएल कम्पनी के ले रहा था, जिससे दुकान मालिक मनोज कुमार ने डीएपी खाद के 1600 रुपये प्रति बैग के हिसाब से दो बैग के 3200 रुपये ऑनलाईन फोन-पे के माध्यम से प्राप्त किए। जबकि सरकार द्वारा डीएपी खाद का मूल्य 1350 रुपये प्रति बैग तय किया हुआ है। सरकारी मूल्य से अधिक मूल्य पर खाद बेचना फर्टीलाईजर कन्ट्रोल आर्डर 1985 के क्लोज नम्बर 4(बी)1, 5 का उल्लंघन है। जिस पर कृषि विभाग की टीम द्वारा उक्त दुकान मालिक का लाईसैन्स तुरन्त प्रभाव से निरस्त करने की प्रक्रिया की गई।

स्नातक कक्षाओं में ऑनलाइन दाखिला लेने के लिए अब एक सप्ताह ही शेष

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

कॉलेजों में स्नातक कक्षाओं में दाखिला के लिए अब एक सप्ताह ही शेष रह गया है। इस कारण ऑनलाइन दाखिलों में कुछ तेजी देखने को मिली है। नारनौल में यूजी कक्षाओं के लिए दोनों महाविद्यालयों में दाखिलों के लिए विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन करने में जुटे हुए हैं। ब्वॉयज कॉलेज में यूजी के छह संकायों में दाखिला के लिए अब तक करीब 919 आवेदन आ चुके हैं और इनके और बढ़ने की प्रबल संभावनाएं बनी हुई हैं। इन दोनों कॉलेजों में प्रतिदिन लगभग 35-40 विद्यार्थी आवेदन करने पहुंच रहे हैं, जिसके चलते महिला कॉलेज के विभिन्न चार संकायों में अब तक 515 आवेदन आ चुके हैं। पीजी ब्वॉयज कॉलेज में 919 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। इस प्रकार जैसे-जैसे अंतिम तिथि नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे

कॉलेजों में लगातार आवेदन बढ़ रहे हैं।

बता दें कि उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने कॉलेजों में यूजी कक्षाओं में आवेदन की अंतिम तिथि 9 जून निर्धारित की हुई है। ऐसे में स्नातक कक्षाओं में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए आवेदन करने का केवल एक सप्ताह ही शेष रह गया है। जिले में कुल 14 कॉलेज में है। इनमें 10680 के करीब स्नातक कक्षाओं की सीटें है। जबकि जिले में हरियाणा शिक्षा बोर्ड व सीबीएसई बोर्ड से बारहवीं कक्षा में 12702 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। ऐसे में सरकारी कॉलेज में सीटों के मुकाबले विद्यार्थियों की संख्या अधिक है। इस प्रकार सरकारी कॉलेज में दाखिले से वंचित रहने वाले विद्यार्थी निजी कॉलेज या फिर दूसरे राज्य या फिर जिले में पढ़ने के लिए जा सकते हैं। जबकि शहर के पीजी कॉलेज में 1540 व महिला कॉलेज में यूजी के अलग-अलग कोर्स की 1200 सीटें निर्धारित हैं। इन दोनों ही कॉलेजों में टॉप के संकायों में दाखिले के लिए मारामारी रहती है।

12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम जारी होने के साथ ही उच्चतर शिक्षा ने कॉलेज में स्नातक कक्षाओं में दाखिले का शेड्यूल जारी कर दिया था, जिसके तहत गत 19 मई से कॉलेजों में दाखिले के लिए पंजीकरण के साथ ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई थी। यह आवेदन प्रक्रिया 9 जून तक चलेगी। इस प्रकार विद्यार्थियों के पास कॉलेज में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए सात दिन ही शेष रह गए है।

यह बोली एडमिशन इंचार्ज

राजकीय महिला महाविद्यालय की एडमिशन इंचार्ज डा. ममता सिद्धार्थ ने बताया कि विद्यार्थी सटीक जानकारी के साथ आवेदन करें और कोई गलती न करें। उन्होंने बताया कि स्नातक कक्षाओं में दाखिला प्रक्रिया जारी है। विद्यार्थी 9 जून तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी आवेदन करते समय सही व पूर्ण जानकारी भरें, ताकि बाद में उन्हें किसी प्रकार कोई दिक्कत न आए। इसके अलावा आवेदन के दौरान वैटेज सर्टिफिकेट लगाने वाले विद्यार्थी दाखिला कमेटी के समक्ष अपना दावा प्रस्तुत करें, ताकि उन्हें इस वैटेज का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि दाखिला संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या समस्या के लिए कॉलेज में छात्राओं के लिए हेल्प डेस्क बनाई गई हैं। जहां वे अपनी समस्या रखकर समाधान करवा सकती है।

जिले के 2 ऐतिहासिक स्मारकों के 15 मीटर के दायरे में खनन व निर्माण प्रतिबंधित

- उपायुक्त ने जारी किए निर्देश... अधिसूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर कोई भी व्यक्ति या संगठन इस मामले के संबंध में आपत्ति या सुझाव दें

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

विरासत एवं पर्यटन विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर महेंद्रगढ़ जिले के दो ऐतिहासिक स्मारकों व स्थलों के अलावा राज्य के विभिन्न जिलों में 14 ऐतिहासिक स्मारकों व स्थलों के आसपास के क्षेत्रों को उनके पुरातात्विक महत्व को देखते हुए निषिद्ध एवं विनियमित क्षेत्र घोषित किया है। इन स्थलों के 15 मीटर के दायरे में खनन गतिविधियों व निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है तथा उसके आगे साथ लगते 30 मीटर के दायरे में विनियमित किया गया है। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से यह निर्णय हरियाणा के राज्यपाल की मंजूरी से हरियाणा प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक व पुरातात्विक स्थल तथा अवशेष अधिनियम 1965 की धारा 29 के तहत लिया गया है। जिला महेंद्रगढ़ में इस्लामपुर व बावड़ी नारनौल को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि अधिसूचना के अनुसार इन दोनों ऐतिहासिक स्मारकों व स्थलों की संरक्षित सीमा से 15 मीटर तक के क्षेत्र को निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है, जबकि इससे आगे साथ लगते 30 मीटर को खनन कार्यों और निर्माण के प्रयोजनों के लिए विनियमित क्षेत्र घोषित किया गया है। इस पूरे क्षेत्र में किसी भी प्रकार का निर्माण, उत्खनन या अन्य गतिविधि पूर्णतया प्रतिबंधित है।

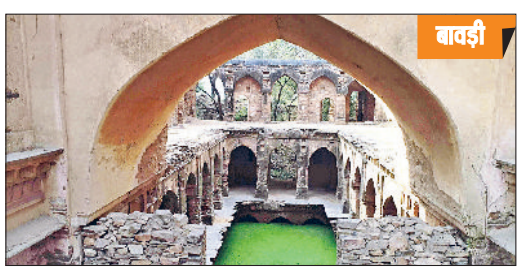

आपत्ति व सुझाव कर सकते है प्रस्तुत

उपायुक्त ने बताया कि विभाग ने स्पष्ट किया है कि राज्य राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर कोई भी व्यक्ति या संगठन इस मामले के संबंध में आपत्ति या सुझाव देना चाहता है, तो वह लिखित रूप से निदेशक पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग हरियाणा को प्रस्तुत कर सकता है। इस अवधि के दौरान प्राप्त सभी आपत्तियों और सुझावों पर अंतिम कार्यान्वयन से पहले गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह कदम हरियाणा की समृद्ध पुरातात्विक विरासत को संरक्षित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

पार्षद की शिकायत पर बलराम और 4 अन्य पर केस दर्ज

नारनौल। शहर में एक पार्षद को गंदे पानी में चलाना आरोपितों को भारी पड़ा है। पार्षद लामबंद हुए और एसपी से मुलाकात कर आरोपितों के खिलाफ शिकायत दी। नतीजन, सिटी पुलिस ने पार्षद की शिकायत के आधार पर आरोपित बलराम व चार अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 140(3),351(3), 333,3(5),296 के तहतकेस दर्ज किया है। एसपी को दी शिकायत में वार्ड नंबर 26 से पार्षद काशीराम ने बताया है कि 29 मई की शाम पांच बजे बलराम व उसके साथ अन्य चार पांच साथी घर पर आए। जबरन अपने साथ लेकर मौहल्ला न्यू कॉलोनी जमालपुर में लेकर गए और वहां जबरन गंदे पानी में नंगे पैर चलवाया। साथ ही गाली गलौच की व कहा कि अगर यह पानी एक माह में नहीं निकला तो जान से मार देंगे। उपरोक्त कार्य का इन लोगों ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। जिससे मान सम्मान को ठेस पहुंची।

हरिभूमि सहेली

विशेषः विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून

आज पर्यावरणीय प्रदूषण के जो कारण हैं, इनमें प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग भी शामिल है। विभिन्न प्रोडक्ट्स के माध्यम से प्लास्टिक हमारे शरीर में पहुंच रहा है। पानी, भोजन और हवा में घुले माइक्रोप्लास्टिक हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत घातक हैं। इसीलिए इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'एंडिंग प्लास्टिक पॉल्यूशन' रखी गई है, ताकि लोग जागरूक हों और हरियाली फैलाने के साथ प्लास्टिक के उपयोग से बचें।

प्लास्टिक से मिले मुक्ति हरा-भरा हो हमारा पर्यावरण

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

बीते कुछ वर्षों में चमक-दमक और सहजता के नाम पर बहुत कुछ हमारी जीवनशैली से जुड़ गया है। प्लास्टिक और प्लास्टिक से बने हर तरह के प्रोडक्ट्स इस फेहरिस्त में सबसे ऊपर हैं। सुविधा और सजावटी सामान बन जिंदगी का हिस्सा बना प्लास्टिक अब पूरे पर्यावरण के लिए खतरा बन गया है। प्लास्टिक के कण यानी माइक्रोप्लास्टिक मिट्टी, जल और हवा के पॉल्यूशन का अहम कारण बन गया है। यह इंसानी सेहत के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर रहा है। यही वजह है कि नदी, तालाब से लेकर धरती की गोद और समुद्र तक को कचरे से पाट रहे प्लास्टिक से दूरी बनाना जरूरी है। सरकारी प्रयासों के साथ ही हर परिवार को प्लास्टिक प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल में कमी लाने की राह पकड़नी होगी। साल 2025 की विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने पर ही फोकस्ड है। 'एंडिंग प्लास्टिक पॉल्यूशन' थीम जीवन के हर हिस्से में जगह बना चुके प्लास्टिक से मुक्ति पाने का संदेश लिए है।

स्त्रियों का रोल अहमः रोजमर्रा की एक्टिविटीज में प्लास्टिक से दूरी बनाने में महिलाओं की भूमिका बहुत अहम हो सकती है। डोमेस्टिक फ्रंट पर न सिर्फ प्लास्टिक की चीजों का विकल्प ढूंढ़ने में बल्कि इस्तेमाल में लाने का काम भी महिलाएं बखूबी कर सकती हैं। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस से जुड़ी मुहिम भी प्लास्टिक यूज घटाने और प्लास्टिक के रीयूज-रिसाइकिल को लेकर पब्लिक को अवेयर करने का ही उद्देश्य लिए है। घर-परिवार में प्लास्टिक का यूज कम करने से लेकर रिसाइकिल तक के लिए जागरूक होकर स्त्रियां पर्यावरण की पहरेदार बन सकती हैं। खासकर सिंगल यूज प्लास्टिक प्रोडक्ट्स से दूरी बनाने का कदम बहुत अहम है। यह प्रकृति ही नहीं, परिजनों की सेहत सहेजने के लिए भी जरूरी है। बीते कुछ बरसों में मिट्टी के घड़े से लेकर बच्चों के लकड़ी से बने खिलौनों तक, बहुत कुछ हमसे छूट गया है। प्लास्टिक से बनी चीजों ने जीवन में डेरा जमा लिया है। जबकि बहुत से प्रोडक्ट्स के जरिए आपके अपनों के शरीर में भी प्लास्टिक पहुंच रहा है। पानी, भोजन और हवा में घुले माइक्रोप्लास्टिक हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बन रहे हैं। इसीलिए डिस्पोजेबल बर्तनों का इस्तेमाल करने से बचें। बच्चों के टिफिन, खिलौने और दूसरे सामान भी लकड़ी, मेटल या मिट्टी के बने खरीदना ही उचित है। घर के कचरे में प्लास्टिक को अलग निकालकर प्लास्टिक रिसाइकिलिंग में मददगार बनने की भी सोचें।

आयोजनों में दिखाएं समझदारीः बच्चों की बर्थ-डे पार्टी हो या शादी-ब्याह का पारिवारिक आयोजन, नकली साज-सज्जा वाली चीजों से दूरी बनाएं। सजावट के परंपरागत तौर-तरीकों से परे ऐसे अधिकतर डेकोरेटिव सामान प्लास्टिक से ही बने होते हैं। तकलीफदेह बात यह भी है कि इन प्रोडक्ट्स को रीयूज भी नहीं किया जा सकता। ट्रेडिशनल रंग-ढंग अपनाकर महिलाएं संस्कृति से जुड़ाव रखते हुए प्रकृति के संरक्षण का काम कर सकती हैं। उत्सवीय आयोजनों से जुड़े बदलाव के फ्रंट पर आपका सहज सा कदम एक प्रभावी शुरुआत साबित हो सकता है। प्लास्टिक को खत्म होने में हजारों साल का समय लगता है। कुछ पल की दिखावटी-बनावटी खुशियों के लिए इससे धरती के आंगन को ना पाटें। सामाजिक-पारिवारिक आयोजनों में जड़ों की ओर वापसी करने की राह पकड़ते हुए पत्तल, दोने और कुल्हड़ जैसी चीजों का इस्तेमाल करें। बुनियादी जीवनशैली से जुड़ीं छोटी-छोटी कोशिशों के माध्यम से प्लास्टिक से दूरी बनाना सहज ही संभव होगा। साथ ही घर में उपलब्ध रिसोर्सेज का सही इस्तेमाल करने के लिए दादी-नानी की सीख का साथ लें। संसाधनों को किफायत से इस्तेमाल करना भी पर्यावरण सहेजने से ही जुड़ा है। आम दिन हों या उत्सवीय मौसम, घर की महिलाएं मितव्ययिता की धुरी बन सकती हैं।

बचाएं प्रकृति के रंगः पर्यावरण संरक्षण के लिए एक साथ कई मोर्चों पर सजग रहना होगा। प्लास्टिक से दूरी बनाने के साथ ही प्रकृति के रंग बचाए रखने के प्रयास भी जरूरी हैं। अपने परिवेश में हरियाली को पोसना जरूरी है। सब कुछ सहेजने वाली स्त्रियों को पेड़-पौधे लगाने के लिए ही नहीं, बचाने के लिए भी अवेयर होना होगा। हर मौसम में ही प्रदूषण के गुबार से ढंके रहने वाले परिवेश में घर का छोटा-सा आंगन हो या आस-पड़ोस का कोई गार्डन, हरियाली को बचाए रखने के जतन जरूरी हैं। साथ ही स्वच्छता को लेकर सजग रहना भी आवश्यक है। साझी थाती कही जाने वाली प्रकृति की गोद में अब हवा-पानी हो या मिट्टी, सब कुछ तेजी से पॉल्यूट हो रहा है। चिंतनीय है कि माउंट एवरेस्ट तक पहुंच चुका प्लास्टिक, क्लाइमेट चेंज का भी बड़ा कारण है। ऐसे में प्रकृति संरक्षण के मोर्चे पर अपने-अपने हिस्से की जिम्मेदारी लेनी ही होगी, पर्यावरण हरा-भरा बनाना होगा। कहना गलत नहीं होगा कि समाज-परिवार की धुरी कही जाने वाली स्त्रियां इस जिम्मेदारी के निर्वहन की सबसे अहम कड़ी बन सकती हैं।

साथी बने थैला

प्लास्टिक फ्री जीवन के लिए थैला सबसे अच्छा साथी है। सामान लाने के लिए खुद घर से निकलें या किसी दूसरे सदस्य को भेजें, कपड़े के थैले को साथी जरूर बनाएं। असल में गली-मोहल्ले में सब्जी-भाजी खरीदने की बात हो या मॉल से शॉपिंग करने की, सिंगल यूज प्लास्टिक का एक ढेर हमारे साथ आता है। हर दिन शॉपिंग में साथ आने वाली प्लास्टिक की थैलियां नालियों को जाम कर गंभीर बीमारियों का कारण बनती हैं। यहां-वहां पड़ी प्लास्टिक थैलियों को खा लेना कितने ही जीव-जंतुओं का गला घोंटता है। बेवजह सामानों में लिपट कर साथ आने वाला प्लास्टिक पार्कों, सड़कों और समुद्र तटों को गंदा करता है। इस मोर्चे पर सजग होना आवश्यक है। महिलाएं प्लास्टिक का सीमित इस्तेमाल कर पर्यावरण के बचाव में अपनी भागीदारी निभा सकती हैं। पर्यावरण को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने और पॉलिथिन यूज कम करने के लिए घर से थैला लेकर निकलना बहुत ही सहज पर प्रभावी पहल है। आम-सी बातों पर ध्यान देकर घर के अधिकतर काम-काज संभालने वाली महिलाएं पर्यावरण को पॉलिथीन फ्री बनाने में बड़ा रोल निभा सकती हैं। बाजार जाते समय थैला साथ रखना प्लास्टिक फ्री जीवन के लिए बहुत आम पर खास कदम है।

बच्चों को बनाएं पर्यावरण प्रेमी

स्वयं ही नहीं, अपने बच्चों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना जरूरी है। बचपन से हम उन्हें अपने पर्यावरण से प्रेम करना सिखाएं, इसकी स्वच्छता का महत्व बताएं। बच्चों को यह भी बताएं कि वे पर्यावरण कैसे संरक्षित कर सकते हैं?

बच्चे और आप
सरस्वती रमेश

आज जिस तरह विश्व में पर्यावरण की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है, उसके प्रति हर किसी का जागरूक होना जरूरी है, ताकि सभी पर्यावरण संरक्षित करने की दिशा में प्रयासरत रहें, अपनी जिम्मेदारी समझें। लेकिन जब हम इस संदर्भ में बच्चों की बात करते हैं तो यही पाते हैं कि आज के अधिकांश बच्चे मोबाइल, कंप्यूटर, टैब, लैपटॉप और इंटरनेट की दुनिया में उलझे रहते हैं, इससे बाहर निकलना ही नहीं चाहते। दूसरे पढ़ाई के प्रेशर और इस तकनीकी युग ने माहौल ऐसा बना दिया है कि हमारे बच्चे पर्यावरण से कटे हुए हैं। जबकि ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती से जिस तरह दुनिया जूझ रही है, बच्चों का भी पर्यावरण को लेकर जागरूक होना बहुत जरूरी है। अगर पर्यावरण प्रदूषण की बढ़ती समस्याओं के प्रति हमारे बच्चे जागरूक नहीं हुए तो वे भविष्य में इस धरती के पर्यावरण को कैसे बचाएंगे? ऐसे में पैरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों को पर्यावरण से प्रेम करना सिखाएं, इसे संरक्षित करने के लिए प्रेरित करें। यह कैसे संभव है, आप जानें-

पर्यावरण संरक्षण का मतलब बताएंः प्रायः हम अपने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का तात्पर्य सिर्फ पेड़-पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना बताते हैं। जबकि पर्यावरण संरक्षण का अर्थ इससे कहीं ज्यादा व्यापक है। धरती पर उपस्थित सभी तरह के जीव-जंतु, नदियां, पहाड़, समुद्र, हवा, पानी, धूप, मिट्टी सभी मिलकर हमारे पर्यावरण का निर्माण करते हैं। इसलिए हमें पृथ्वी की हर चीज को संरक्षित करना होगा। इस पृथ्वी को सभी प्राणियों के लिए जीने योग्य बनाए रखना ही पर्यावरण संरक्षण का असल मतलब है। यह बात बच्चों को भी समझानी चाहिए।

प्रकृति के साथ तालमेल करना सिखाएंः सर्वप्रथम तो हम अपने बच्चों को प्रकृति के साथ तालमेल बैठाकर जीना सिखाएं। मतलब ऐसे काम करने से मना करें, जिससे प्रकृति और इसके पर्यावरण को किसी भी रूप में नुकसान पहुंचता है। सिंगल यूज प्लास्टिक आज पूरी दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है, इसलिए प्लास्टिक पन्नी में फल, सब्जी और राशन न लें। इसके बजाय घर से अपना बैग और कंटेनर लेकर जाएं। आपको ऐसा करता देखकर आपका बच्चा भी पर्यावरण से प्रेम करना सीखेगा। इसी तरह गीला और सूखा कचरा अलग रखने की आदत अपने बच्चों में बचपन से ही डालें। इसके लिए घर में दो डस्टबिन रखें। रिसाइकिल होने वाले कचरे को सड़ने-गलने वाले कचरे के साथ मिलाकर न रखें। किचन वेस्ट से अपने बगीचे में या बालकनी में कंपोस्ट खाद बनाएं। यह बेहद आसान है। इसे बनाने से आपके घर से निकलने वाला गीला कचरा कम होगा और आपके घर में लगे पौधों को मुफ्त में खाद भी मिलेगी। इस काम में बच्चों से भी सहयोग लें ताकि वे शुरू से ही वेस्ट मैनेजमेंट के गुर सीखें।

संसाधनों का समझदारी से इस्तेमाल करना बताएं

गर्मियों में लोग एसी का इस्तेमाल खूब करते हैं। अपने बच्चों को एसी का इस्तेमाल कम से कम करने के लिए प्रेरित करें। इसके बजाय यदि कूलर से काम चल सकता है तो उसे चलाने के लिए कहें। बच्चों को समझाएं कि एसी से निकलने वाली हीट से बाहर का वातावरण गर्म होता है, जिससे पक्षी, कीट-पतंगे, जानवरों को सर्वाइव करने में मुश्किल आती है। साथ ही बिजली की ज्यादा खपत होती है। इसी तरह सर्दियों में रूम को गर्म रखने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के ज्यादा इस्तेमाल से बिजली की खपत ज्यादा होती है, जबकि हम सब जानते हैं कि बिजली पैदा करने के लिए बहुत सारे संसाधनों की जरूरत पड़ती है। इसी तरह अपने बच्चों को कपड़े, जूते, कागज, बैग आदि चीजों का इस्तेमाल तब तक करने को कहें, जब तक कि वे पूरी तरह अनुपयोगी न हो जाएं। जिससे नए सामान खरीदने की जरूरत कम पड़े और पृथ्वी के संसाधनों को बचाया जा सके।

हमारी सामूहिक जिम्मेदारीः बच्चे देश का भविष्य होते हैं। जब वे किसी बदलाव का हिस्सा बनते हैं तो उसका प्रभाव जल्द दिखाई देता है। और फिर पर्यावरण संरक्षण किसी अकेले व्यक्ति के वश की बात नहीं है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें बच्चों को शामिल करना बहुत जरूरी है। सभी अपनी जिम्मेदारी को समझें और अपने स्तर पर अपने आस-पास को साफ-सुथरा, हरा-भरा रखने की कोशिश करें, तभी हमारा पर्यावरण संरक्षित होगा।

लाइफस्टाइल
रेखा शाह आरबी

उम्र के किसी भी पड़ाव पर आप अपने आपको अकेला महसूस कर सकती हैं, लाइफ बोरिंग लग सकती है। ऐसी नेगेटिव सोच से उबरिए, इसके लिए कुछ नया करिए।

कहीं आपको अपनी लाइफ बोरिंग तो नहीं लग रही है

आजकल पहले के जैसे संयुक्त परिवार नहीं रहे, जिसमें दिन भर हंसी-मजाक, ठहाके गूंजते रहते थे। दिन कब पूरे परिवार के साथ हंसते-हंसते बीत जाता, पता ही नहीं चलता था। ये सब अब बीते जमाने की बातें हो गई हैं। अब एकल परिवार का जमाना है। अधिकांश परिवारों में पति-पत्नी और बच्चे, यही पूरा परिवार माना जाता है। कुछ वर्षों के बाद बच्चे भी बाहर दूसरे शहरों में पढ़ने या जॉब के लिए चले जाते हैं, तब महिलाएं घर में बिल्कुल अकेली रह जाती हैं। क्योंकि पति तो पहले ही अपने जॉब या बिजनेस के काम के लिए दिन भर घर से बाहर रहते हैं। जो महिलाएं काम-काजी नहीं हैं, घरेलू हैं, उन्हें अकेलेपन का अहसास बहुत ही शिद्दत से होता है। ऐसे में एक बड़ी समस्या रहती है कि अपना टाइम कैसे पास किया जाए? अकेलेपन से कैसे पार पाएं? लाइफ बहुत बोरिंग लगती है। कुछ महिलाएं तो किसी मानसिक बीमारी की शिकार भी हो जाती हैं। इसलिए जरूरी है, जीवन में कुछ ऐसा करते रहना चाहिए कि जिंदगी खूबसूरत लगे।

बाहरी नहीं, आंतरिक देख-भाल की जरूरतः जिंदगी को जिंदादिली से जीने के लिए, अपने व्यक्तित्व को निखारने-संवारने के लिए सिर्फ बाहरी ही नहीं, आंतरिक देखभाल की भी जरूरत होती है। इसके लिए कुछ प्रयास करने पड़ते हैं। अपने भीतर नई ऊर्जा भरने के लिए जरूरी है, हम अपने रूटीन से हटकर कुछ नई एक्टिविटीज से जुड़ें, ताकि जिंदगी बोरिंग न लगे। कहने का यह मतलब है कि जब भी आपको ऐसा लगे कि जीवन एक ही ढर्रे पर चल रहा है, लाइफ बोरिंग हो गई है तो अपने भीतर नई उमंग जगाने के लिए अपनी रुचि के अनुसार अपने जीवन में कुछ बदलाव लाएं। इस दिशा में एक्टिव हों।

किताबों से करें दोस्तीः उम्र कोई भी हो, जब किसी व्यक्ति को उसकी रुचि के अनुसार कोई किताब मिल जाती है तो वह उसमें डूब जाता है। हमारी सबसे अच्छी दोस्त किताबें होती हैं। किताबों का साथ हमेशा ही हमारे व्यक्तित्व को निखारने में सहायक होता है। किताबें हमारे एकांत की अच्छी साथी बन जाती हैं, बोरियत दूर करती है, व्यक्ति को जीवंत बनाती हैं। साथ ही किताबें एक बौद्धिक संतुष्टि भी देती हैं।

समाज सेवाः खाली समय में समाज सेवा करना, समय का सबसे अच्छा सदुपयोग है। अपने आस-पास किसी समाजसेवी संस्था को अपना सहयोग दीजिए, इससे आपका मन प्रफुल्लित होगा। किसी की निस्वार्थ सहायता करना, मन को एक अलग तरह की अनुभूति देता है, एक सुकून मिलता है। इससे भी एक बहुत अच्छा काम है, छोटे-छोटे बच्चों को पढ़ाना। बच्चों के साथ कब आपका समय क्वालिटी टाइम में बदल जाएगा, आपको पता भी नहीं चलेगा। इससे आपको मानसिक संतुष्टि तो मिलेगी ही, साथ ही छोटे-छोटे बच्चों की मासूमियत, शरारत आपको नई ऊर्जा से भर देगी।

बागवानी कीजिएः यदि आपके घर में जगह है तो आप गार्डनिंग करें। तरह-तरह के फूलों वाले पौधे लगाकर आपको एक अलग ही ऊर्जा और ताजगी मिलेगी। गार्डनिंग करके आप अपने आपको व्यस्त और स्वस्थ रख सकती हैं।

खुद को दें नया लुकः आप अपने आप को नया लुक देकर भी एक खुशी हासिल कर सकती हैं। इसके लिए आप पार्लर की मदद ले सकती हैं। अपना मेकओवर देखकर सिर्फ आपको ही नहीं, आपके चाहने वालों को भी खुशी होगी। यह खुशी आपको ऊर्जावान बनाएगी। इससे आप नया करने को प्रेरित होंगी।

ट्रेंड
सरिता गुप्ता

समर सीजन में बनाएं यूनिक हेयर स्टाइल

गर्मी के मौसम में सही ड्रेसअप सेलेक्ट करने के साथ ही मैचिंग और कंफर्टेबल हेयर स्टाइल चूज करना थोड़ा टफ होता है। ऐसे में आप यहां पर बताए जा रहे कुछ ट्रेंडी हेयर स्टाइल को ट्राई कर सकती हैं।

हाफ हेयर बन स्टाइलः अगर आप कॉलेज गोइंग गर्ल हैं या ऑफिस जाती हैं तो यह हेयर स्टाइल आपके लिए परफेक्ट है। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए पहले बालों को ट्विस्ट देकर हाफ हेयर करके उसे रबड़ बैंड से हाफ बन लुक दे सकती हैं, फिर उस पर फंकी रबड़ बैंड ऊपर से लगा लें।

साइड फ्रेंच बन हेयर स्टाइल : समर पार्टी में जाने के लिए आप साइड फ्रेंच बन हेयर स्टाइल ट्राई कर सकती हैं। इस सीजन के लिए यह एक परफेक्ट ऑप्शन है। आप इस हेयर स्टाइल को गाउन या शॉर्ट ड्रेस के साथ पेयर अप कर सकती हैं। आप इसके साइड से टेल पर बीड्स भी लगा सकती हैं। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए सबसे पहले साइड से फ्रेंच ब्रेड बनाएं और फिर सभी बालों को फोल्ड करते हुए पिन की मदद से सेट करें। अब फ्रंट में लगी छोटी-छोटी फ्लिक्स निकाल लें। साइड फ्रेंच बन हेयर स्टाइल बनने के बाद बहुत अच्छा लगता है।

रबड़ बैंड ट्विस्ट ब्रेड स्टाइलः आप रबड़ बैंड से एक यूनिक हेयर स्टाइल बना सकती हैं। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए आपको काफी सारी रबड़ बैंड्स की जरूरत होगी। सबसे पहले नॉर्मल पोनी बनाएं और फिर थोड़ी-थोड़ी दूरी पर रबड़ बैंड लगाएं और बालों को बीच से लूज करती जाएं। इससे आप सिंपल ब्रेड से खुद को स्टाइलिश लुक दे सकती हैं। टॉप के साथ स्कर्ट या जींस कैरी करने पर ऐसी हेयर स्टाइल कूल लुक देती है।

हेड बैंड और स्कार्फः गर्मियों में जब बाल चेहरे पर आते हैं तो बहुत चुभने लगते हैं और इरिटेट भी करते हैं। ऐसे में आप हेड बैंड और स्कार्फ का भी यूज कर सकती हैं। एक ऐसे स्टाइलिश हेड बैंड का यूज करें, जो बालों को चेहरे से दूर रखे और स्टाइलिश लुक दे। इसके अलावा स्कार्फ का यूज बालों को बांधने या सजाने के लिए भी आप कर सकती हैं।

तरह-तरह के बनः आप कई तरह के हेयर बन बनाकर बालों को स्टाइल दे सकती हैं। बन बनाने के भी कई तरीके होते हैं, इनमें टॉप नॉट, मेस्सी बन, हाई बन और लो बन शामिल हैं। यह कैजुअल और फॉर्मल दोनों अवसरों के लिए सही होता है।

(हेयर स्टाइलिस्ट मेघा शर्मा से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल सजेशन
डॉ. विनय अग्रवाल
ऑर्थोपेडिक सर्जन-स्पोर्ट्स इंजरी
कैलाश हॉस्पिटल, नोएडा

बढ़ती उम्र में और खासतौर पर मेनोपॉज के बाद महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस होने का रिस्क बढ़ जाता है। इससे बचाव के लिए जरूरी है कि आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखें। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशन।

बोंस को बनाएं स्ट्रॉन्ग नहीं होगा ऑस्टियोपोरोसिस

ऑस्टियोपोरोसिस, हड्डियों की एक ऐसी बीमारी है, जो खासतौर से महिलाओं में होती है। इसके कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।

रोग के कारणः पीरियड्स बंद होने के बाद यानी मेनोपॉज के बाद महिलाओं में इस बीमारी के होने का रिस्क अधिक बढ़ जाता है। जब हमारे शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम का स्तर कम हो जाता है तो यह रोग हो सकता है। इससे बोंस में फ्रेक्चर होने की आशंका बढ़ जाती है।

बरतें सावधानीः मेनोपॉज यानी पीरियड्स बंद होने के बाद महिलाओं को हेल्थ पर अधिक ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इस दौरान मसल्स और बोंस कमजोर हो जाती हैं और फ्रेक्चर होने का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए इसे लेकर लापरवाही न बरतें। जब पीरियड्स बंद हो जाएं तो कैल्शियम और विटामिन डी का स्तर कम हो जाता है और हार्मोन का प्रवाह भी कम हो जाता है। इसलिए रोज समय निकालकर धूप में कुछ देर जरूर बैठें, जिससे आपके शरीर में जरूरी विटामिन डी बनेगा। थायरॉयड प्रॉब्लम से भी इस रोग के होने का रिस्क बढ़ता है, इसलिए अगर मां या पिता में किसी को थायरॉइड की प्रॉब्लम है तो आपको थायरॉइड होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए अपने थायरॉइड का नियमित रूप से चेकअप कराती रहें।

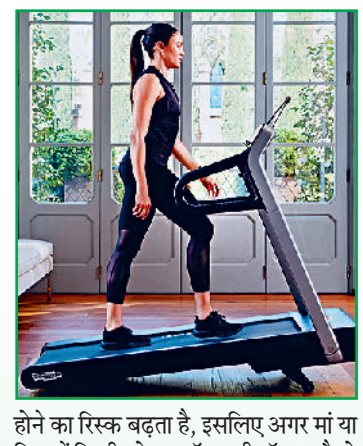

नियमित एक्सरसाइजः ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए एक्सरसाइज करना बेहद जरूरी होता है। इससे मसल्स और मेटाबॉलिज्म मजबूत होता है। हड्डियों में कैल्शियम और मिनरल का स्तर बढ़ता है। इसलिए रोज एक्सरसाइज करना बोंस हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इससे न केवल ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव होगा, बल्कि अगर यह हो भी गया हो तो उसमें राहत के लिए भी एक्सरसाइज करना फायदेमंद होता है। इसके लिए ट्रेडमिल पर वॉकिंग, जंपिंग, स्किपिंग, लोडिंग और क्रॉस ट्रेनिंग आदि कर सकती हैं।

रहें एक्टिवः महिलाओं को शुरू से ही अपनी लाइफस्टाइल को लेकर बहुत ही सजग रहना चाहिए। उन्हें नियमित रूप से अच्छी डाइट और एक्सरसाइज को अपनाना चाहिए, क्योंकि इनके जरिए ही आप ऑस्टियोपोरोसिस से खुद को दूर रख सकती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए हमारी लाइफस्टाइल का बड़ा रोल होता है।

वजन को नियंत्रित रखेंः महिलाओं को अपने वजन को नियंत्रित रखने के लिए बहुत ध्यान देना चाहिए, क्योंकि जब हमारा वजन नियंत्रित नहीं रहता है तो अनेक तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

प्रस्तुतिः संध्या रानी

लें हेल्दी डाइट

हेल्दी बोंस के लिए रेग्युलर बैलेंस डाइट लेना बेहद जरूरी होता है। आपकी डाइट में ज्वार, बाजरा, कोदो, गेंहू और रागी जरूर होना चाहिए, क्योंकि यह हमारे बोंस के लिए बहुत ही अच्छा होता है। सब्जियों में खासतौर से सीताफल खाना फायदेमंद है। ड्राय फ्रूट्स में पिस्ता, बादाम जरूर खाएं क्योंकि इनमें कैल्शियम काफी मात्रा में रहता है। इसके अलावा दूध पीना भी सेहत के लिए अच्छा रहता है। जहां तक हो सके फ्राइड फूड्स से परहेज करना चाहिए। आलू में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है। इसलिए हड्डियों की बनावट और मजबूती देने में इसका रोल अधिक नहीं होता है।

खबर संक्षेप

जेईई एडवांस में यदुवंशी थनवास का दबदबा

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन थनवास का जेईई एडवांस दबदबा कायम रहा। यह परीक्षा इंडिया लेवल पर आयोजित की जाती है और इस परीक्षा में यदुवंशी शिक्षा निकेतन थनवास के तीन विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें छात्र प्रवीण कुमार पुत्र महेंद्र कुमार वासी अमरपुरा ने सर्वश्रेष्ठ अंक हासिल करके विद्यालय व गांव का नाम रोशन किया है। इसकी सफलता पर विद्यालय में जश्न का माहौल रहा।

भुंगारका में चलेंगे आर्य समाज के विशेष शिविर

नारनौल। आधुनिकता की चकाचौंध में पथभ्रष्ट हो रहे युवाओं को सही मार्ग दिखाने एवं समाज में व्याप्त सामाजिक बुराईयों को खत्म करने के उद्देश्य से 2 जून से 8 जून 2025 तक गांव भुंगारका में ऐतिहासिक 'आर्य वीरांगना निर्माण एवं संस्कारात्मक शिविर' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं में राष्ट्रभक्ति, नैतिकता और आत्मबल को जागृत करने का प्रयास होगा। शिविर का आयोजन श्री कृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में किया जाएगा, जिसमें देशभर से आर्य विद्वान, प्रखर वक्ता, समाज सुधारक और संस्कारप्रेमी हजारों ग्रामीण भाग लेंगे। शिविर में वैदिक यज्ञ, वेदपाठ, योग एवं ध्यान क्रिया आयोजित की जाएगी।

लिंगानुपात में सुधार के लिए अभियान चलाया

नारनौल। उपायुक्त के दिशा-निर्देशानुसार गांव हसनपुर व कुलताजपुर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत मोबाइल वैन के माध्यम से लिंगानुपात सुधार हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में गांव की विभिन्न महिलाओं व बच्चों ने भाग लिया। गांव की सरपंच अनीता देवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सुपरवाइजर हेमलता, सुनीता, सुमनलता ने बताया कि आज के समय में बेटियां हर क्षेत्र में आगे हैं तथा पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। ऐसे में गिरता हुआ लिंगानुपात एक गंभीर समस्या है।

148बी शहरी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट नहीं होने से वाहन चालकों को उठानी पड़ रही परेशानी

खास बातें

- नारनौल-दादरी स्टेट हाईवें-148बी का निर्माण कार्य हो चुका है पूरा, डिवाइडर के बीच में लाइट नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। डिवाइडर के बीच में नहीं है स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था। *फोटो: हरिभूमि*

नारनौल-दादरी स्टेट हाईवें-148बी सड़क पर स्ट्रीट लाइट नहीं होने की वजह से रात्रि को हाईवें अंधेरे में डूब जाता हैं। इस वजह से शहरी क्षेत्र के हाईवें पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। यदि शहरी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट लगा दी जाती तो लोगों को काफी हद तक रात में होने वाली परेशानी से निजात मिल सकती है।

बता दें कि एचएसआइआइडीसी की ओर से नारनौल-दादरी स्टेट हाईवें-148बी सड़क का निर्माण कार्य पूरा हुआ हैं। इस हाईवे से राजस्थान के कोटपुतली, जयपुर व हरियाणा के भिवानी, रोहतक, हिसार, चंडीगढ़ जैसे अनेक बड़े शहरों में जाने वाले हजारों राहगीर प्रतिदिन निकलते हैं। जिस कारण दिन और रात के समय हाईवे पर वाहन फरार्टा भरते हैं। रात में ट्रक, टैंकर, बस व गाड़ी समेत बड़े वाहनों का संचालन होने के कारण हाईवे पर व्यस्तता अधिक बढ़ जाती है। लोगों की मांगों को ध्यान में रखते सरकार ने दो वर्ष पहले हाईवे का निर्माण कार्य शुरू किया था।

अब निर्माण कार्य पूरा चुका हैं। सड़क निर्माण कंपनी द्वारा हाइवे पर डिवाइडर बनवाए गए हैं, लेकिन उसके बाद भी अभी तक हाईवे पर प्रकाश की व्यवस्था नहीं की गई है। जिस कारण दिन ढलते ही हाईवे पर अंधेरे छा जाता है। ऐसे में अंधेरे के चलते राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा लोगों को निकलने में हमेशा डर लगा रहता है। सबसे ज्यादा परेशानी रात्रि को पैदल जा रहे लोगों को होती है। अंधेरे का फायदा उठाकर चोर अन्य बदमाश कोई वारदात को अंजाम दे सकता हैं।

इस स्टेट हाईवें से प्रतिदिन 10 हजार वाहन गुजरते हैं। ऐसे में वाहनों की रफ्तार अधिक होती हैं। वाहन चालक रात्रि को स्ट्रीट लाइट ने होने व अवैध कट से बिना देखे अपने वाहनों को मोड़ देते हैं। ऐसे में वाहनों की रफ्तार अधिक होने के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता हैं। स्ट्रीट लाइटें लगाए जाने की मांग लोग लगातार कर रहे हैं।

जल्द लगवाई जाएग स्टेट हाईवें पर स्ट्रीट लाइट

पीडब्ल्यूडी की ओर से नगर पालिका को स्टेट हाईवे पर शहरी सीमा क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट का बिजली मीटर कनेक्शन, बिजली बिल व उनके रखरखाव को लेकर पत्र मिला था। इस पर नगर पालिका ने सहमति देते हुए जवाब भेज दिया है। जल्द स्टेट हाईवें पर स्ट्रीट लाइट लगवाई जाएगी।

-रमेश सैनी, प्रधान, नगरपालिका

30 जून तक गांवगांव जाकर जल की गुणवत्ता की करेगी जांच

मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

उपमंडल अभियंता ने मोबाइल लैब का निरीक्षण किया तथा जल नमूनों की जांच की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। मोबाइल लैब को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते विभागीय अधिकारी। फोटो : हरिभूमि *फोटो : हरिभूमि*

जल जीवन मिशन के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन हरियाणा की ओर से प्रदेश भर के जिलों में मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब के माध्यम से गांव गांव जाकर मौके पर ही जल की रासायनिक जांच की जा रही है। इसी क्रम में महेन्द्रगढ़ जिले के नारनौल पहुंची मोबाइल लैब दो जून से 30 जून तक विभिन्न ग्राम पंचायतों में जाकर जल परीक्षण करेगी।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की जिला प्रयोगशाला से लैब केमिस्ट सुधीर चौधरीए उपमंडल अभियंता जसवीर सिंह व जिला सलाहकार मंगतराम सरसवा ने संयुक्त रूप से मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपमंडल अभियंता ने मोबाइल लैब का निरीक्षण किया तथा जल नमूनों की जांच की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। उपमंडल अभियंता जसवीर सिंह ने बताया कि हमारे जीवन में पानी का विशेष महत्व है, इसलिए इसकी गुणवत्ता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जल जीवन मिशन एवं जल शक्ति अभियान के माध्यम से शासन व प्रशासन की ओर से आमजन को यही संदेश निरंतर दिया जा रहा है। मोबाइल लैब इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर बीआरसी इन्द्रजीत, बीआरसी मोहित कुमार व लैब स्टाफ से अरविंद, विकास आदि उपस्थित रहे।

आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित

लैब केमिस्ट सुधीर चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब एक आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित चलायमान प्रयोगशाला है। जिससे मौके पर ही जल की गुणवत्ता की जांच की जा सकती है। यह लैब दूर दराज व दूरस्थ क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है। साथ ही महामारी या आपातकालीन परिस्थितियों में इसे किसी भी गांव में अस्थायी स्टेशनरी लैब के रूप में भी स्थापित किया जा सकता है। इस एक महीने की अवधि में यह लैब जिले के लगभग 500 जल स्रोतों की जांच करेगी।

प्रति दिन सात गांवों का करेगी निरीक्षण

जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि यह मोबाइल लैब 30 जून तक जिले की ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेगी। प्रतिदिन कम से कम सात गांवों का निरीक्षण कर सभी जल स्रोतों की जांच की जाएगी। लैब जिले के सभी खंडों की चयनित ग्राम पंचायतों में जाएगी। प्रारंभ में नारनौल खंड के गांव बड़कौदा, कुतबापुर, लहरोदा, निवाजनगर, गहली, मडलाना व मकसूसपुर को कवर किया गया है। तीन जून को लैब खाटोटी कलां, भांखरी, दौचाना, गोद, बलाहा कलां, बदोपुर और थाना गांव में जल स्रोतों की जांच करेगी।

पानी की गुणवत्ता प्रति जागरूक करना उद्देश्य

जिला सलाहकार ने बताया कि इस मोबाइल लैब का मुख्य उद्देश्य आमजन को पीने के पानी की गुणवत्ता के प्रति जागरूक करना है। साथ ही जल संरक्षण का संदेश भी इस अभियान के माध्यम से दिया जाएगा। इससे पूर्व यह लैब पलवल और रेवाड़ी जिलों में भी कार्य कर चुकी है। लैब सहायक उज्ज्वल कुमार ने बताया कि यह मोबाइल लैब गांव गांव जाकर जल के कुल नौ मानकों की रासायनिक जांच करेगी। इनमें प्रमुख रूप से टीडीएस, पीएच, टरबिडिटी, आयरन, हार्डनेस, फ्लोराइड, नाइट्रेट, सल्फेट व जिंक की जांच की जाएगी।

तुलसी यात्रा से प्रारंभ हुआ श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव

महेंद्रगढ़। तुलसी कलश यात्रा महिलाएं। *फोटो: हरिभूमि*

- बचपन प्ले स्कूल में पहली बार सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महा रुद्राभिषेक का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बचपन प्ले स्कूल में भागवत धर्म सेवा परिवार के तत्वावधान में पहली बार सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महा रुद्राभिषेक एवं श्रीमद्भागवत महापुराण कथा महोत्सव का शुभारंभ सोमवार तुलसी यात्रा से किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी एवं निशा सैनी सपरिवार थे, जो श्रीमद् भागवत ग्रंथ को अपने सिर पर रखकर पैदल ही तुलसी कलश यात्रा में शामिल हुए, जबकि कथा प्रबंधक मुकेश मेहता भी श्री लड्डू गोपाल को अपनी गोदी में लेकर तुलसी कलश यात्रा में सपरिवार शामिल हुए। सोमवार को कथा प्रारंभ करने से पूर्व एक तुलसी कलश यात्रा निकाली गई, जो बचपन प्ले स्कूल से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य बाजारों में होती हुई वापस कथा स्थल पर पहुंची। इस तुलसी कलश यात्रा में 751 महिलाएं तुलसी कलश लेकर शामिल हुई, जबकि कुल मिलाकर हजारों भक्त ढोल नगाड़ों एवं डीजे के साथ श्रीकृष्ण भक्ति में झूमते हुए चले।

कथा व्यास आचार्य गौरव दीक्षित महाराज ने राधाकृष्ण की झांकी के साथ एक घोड़ा बग्गी में बैठकर सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया। धार्मिक प्रवक्ता अमर सिंह सोनी ने बताया कि सवा लाख शिवलिंग निर्माण रुद्राभिषेक कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः आठ से प्रातः 11 बजे तक होगा तथा श्रीमद्भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से सायं छह बजे तक होगी। कथा व्यास आचार्य गौरव दीक्षित महाराज ने व्यास गद्दी पर विराजमान होकर सभी भक्तों को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान करवाएंगे।

इस मौके पर रमेश सैनी, कथा प्रबंधक मुकेश मेहता, आरपी शर्मा, प्रवीण दीवान, पूर्व स्टेशन मास्टर ओमप्रकाश चनेजा, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, आदर्श रामलीला प्रधान सुरेंद्र बंटी, पूर्व नपा प्रधान रीना बंटी, पार्षद अशोक सैनी, हरिराम खन्ना आदि मौजूद थे।

जेईई एडवांस्ड में आरपीएस के ईशान ने हासिल की 59वीं आल इंडिया कैटेगरी रैंक

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करती छात्राएं। *फोटो: हरिभूमि*

महेंद्रगढ़। देश की सबसे बड़ी आईआईटी-जेईई एडवांस्ड परीक्षा परिणाम में आरपीएस संस्था के ईशान आफरिया ने आल इंडिया में 59वीं व दित्या गर्ग ने 70वीं कैटेगरी रैंक एवं हर्षि ने 221वीं आल इंडिया जनरल रैंक प्राप्त कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जेईई एडवांस्ड परीक्षा में आरपीएस के 95 से अधिक विद्यार्थियों ने बेहतरीन रैंक के साथ क्वालीफाइ किया हैं। बच्चों के कठोर परिश्रम, विद्यालय प्रबंधन के उचित मार्ग दर्शन और स्टीक योजना से ही यह संभव हो पाया है। बच्चों की इस सफलता पर आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव एवं डीप्टी सीईओ कुनाल राव सहित समस्त आरपीएस स्टाफ ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सीईओ इंजि. मनीष राव ने बताया कि सोमवार को घोषित आईआईटी-जेईई एडवांस्ड के परीक्षा परिणाम में अपनी कैटगरी में ईशान ने आल इंडिया में 59वीं व दित्या गर्ग ने 70वीं कैटेगरी रैंक व हर्षि ने 221वीं आल इंडिया जनरल रैंक के साथ-साथ अनुज ने 256वीं रैंक, शुभम वर्मा ने 544वीं रैंक, प्रणव ने 573वीं रैंक, छवि ने 574वीं रैंक, यशिका 590वीं रैंक, ललित ने 591वीं रैंक, विवान राव ने 667वीं रैंक, सुमित पहल ने 937वीं रैंक, पीयूष यादव ने 1054वीं रैंक, रक्षित कुमार ने 1101वीं रैंक, कृष ने 1111वीं रैंक, कृष ने 1203वीं रैंक, कार्तिक ने 1498वीं रैंक, मनयु यादव ने 1537वीं रैंक, वंश यादव ने 1541वीं रैंक, कृष ने 1764वीं रैंक, सुजल ने 1850वीं रैंक, दिपांशु ने 2048वीं रैंक, श्वेत ने 2112वीं रैंक, श्रुति ने 2137वीं रैंक, चिराग ने 2557वीं रैंक, हर्षिता चौहान ने 4096वीं रैंक, मानव चौधरी ने 2705वीं रैंक, यशवी सिंगला ने 2841वीं रैंक, तन्नु ने 3597वीं रैंक, जतिन ने 3934वीं रैंक, प्रियांशु ने 4233वीं रैंक, रविना ने 4502वीं रैंक, पियुष 4515वीं रैंक, चंद्रांशु ने 4709वीं रैंक, प्रियांशु यादव 4829वीं रैंक, मुस्कान ने 5443वीं रैंक, प्रियांशु ने 5538वीं रैंक, दर्शिल ने 5601वीं रैंक, लक्षिका ने 6579वीं रैंक, गर्वित ने 6667वीं रैंक, हर्षित ने 6723वीं रैंक, अभिजित ने 7058वीं रैंक, आकृति ने 7110वीं रैंक, प्रियाली ने 7412वीं रैंक, गुनादित्या संधु ने 7517वीं रैंक, दिव्यापाल ने 7610वीं रैंक, भूमिका ने 7852वीं रैंक, अंकित गौतम ने 8052वीं रैंक, दक्ष ने 80329वीं रैंक, आदित्य ने 8376वीं रैंक, रिजुल बतरा ने 8567वीं रैंक, सुमित कुमार ने 8707वीं रैंक, कशिश वर्ष ने 8902वीं रैंक हासिल की।

नारनौल। छात्र को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

एचपीएस के छात्र जयंत ने पाई आईआईटी एडवांस में सफलता

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी जयंत गांधी पुत्र दिनेश गांधी ने आईआईटी एडवांस परीक्षा क्वालीफाई की। एनटीए की ओर से घोषित आईआईटी एडवांस परीक्षा के परिणाम में जयंत गांधी ने 8368वीं रैंक के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय, अपने माता पिता व क्षेत्र का नाम रोशन किया। विद्यालय डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने बताया कि जयंत प्रारंभ से ही एक होनहार छात्र रहा है। सच्ची लगन व गुरुजनों के मार्गदर्शन के अनुसार मेहनत कर जयंत ने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। एचपीएस के विद्यार्थी जयंत ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, लगन विद्यालय के गुरुजनों के मार्गदर्शन व अपने माता पिता को देते हुए बताया कि वह शुरू से ही इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहता था। विद्यालय परिवार ने जयंत व उसके परिजनों का मुंह मीठा करवाकर उसे बधाई दी। विद्यालय एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा व निदेशक पुष्करमल वर्मा ने जयंत के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यदुवंशी स्कूल के 15 छात्रों ने जेईई एडवांस में रचा इतिहास

महेंद्रगढ़। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

महेंद्रगढ़। यदुवंशी के छात्रों ने जेईई एडवांस परीक्षा-2025 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में स्कूल के कई छात्रों ने उच्च रैंक हासिल कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। पूरे भारत में अपनी सफलता का परचम लहराते हुए विद्यालय के छात्र मनीष पुत्र रामकिशन ने अपनी कैटेगरी में 300 रैंक हासिल की। सफलता प्राप्त विद्यार्थियों में भावेश पुत्र ओमप्रकाश 1103, दिव्य यादव पुत्र सुरेंद्र यादव 1172, योगेंद्र पुत्र संदीप कुमार 2859, दिया पुत्री देवेंद्र कुमार 5214, अंजलि पुत्री अरविंद 7807, अनुज पुत्र राजेश कुमार 8342, श्वेत पुत्र कश्मीर 9374, अनुज पुत्र अनुप 10274, अमन पुत्र राजेश कुमार 12835 के नाम विशेष रूप से शामिल रहे। विद्यार्थियों ने अपनी इस सफलता का श्रेय विद्यालय के उचित मार्गदर्शन, अध्यापकों की मेहनत व अभिभावकों के सहयोग को दिया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में यदुवंशी की एक अनूठी शैक्षणिक पहल है। विद्यार्थी इंजीनियर बनकर एक सुदृढ़ समाज की स्थापना करेंगे तथा देश सेवा करते हुए पूरे राष्ट्र को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रगण्य बनाएंगे। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि जेईई एडवांस जैसी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त करना न केवल आपकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि आपके धैर्य, समर्पण और अनुशासन की भी मिसाल है। यह सफलता सिर्फ एक शुरूआत है, आगे चलकर आप भारत और विश्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह यादव ने सभी सफलता प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सार्वजनिक सूचना

मै नवनीत सैनी पुत्र रामचंद्र सैनी वासी मोहल्ला नलापुर नारनौल तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र मोनु सैनी व उसकी पत्नी शोभा मेरे कहने सुनने से बाहर है व हर दिन घर में झगडा करते रहते हैं। इसलिए मै इनको अपनी चल–अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनसे लेनद. न करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

जेईई एडवांस में सीएल स्कूल ने बाजी मारी

नारनौल। सीएल स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

एनटीए की ओर से जेईई एडवांस का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें सीएल पब्लिक स्कूल के होनहार छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन करके अपने क्षेत्र, परिवार व संस्था का नाम रोशन किया। इन छात्रों ने अपनी कड़ी मेहनत से यह सिद्ध करके दिखाया कि अगर दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो अपने लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव नहीं है।

इन छात्रों में बिकेश पुत्र भूपेन्द्र सिंह ने 3238वीं रैंक प्राप्त की। जिसमें इनके दादा कैप्टन पतराम का विशेष योगदान रहा। तुषार पुत्र सुरेश कुमार ने 1062वीं रैंक, निखिल कुमार यादव पुत्र योगेन्द्र कुमार ने 2879वीं रैंक प्राप्त कर इस परीक्षा को क्वालीफाई किया। बच्चों की इस उपलब्धि पर संस्था के प्रबंधक निदेशक डॉ. अमित गुप्ता ने सभी को माला पहनाकर सम्मानित किया। इसके साथ ही प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने बच्चों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विकसित कृषि संकल्प अभियान चौथे दिन भी रहा जारी

विशेषज्ञों ने किसानों को दी योजनाओं की जानकारी

- टीम हुडीना, हाजिपुर, लहरोदा, कुकसी, मेई, गुलावला, झाड़ली, उच्चत व बाघोत गांवों का दौरा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

महेंद्रगढ़। किसानों को जानकारी देते विशेषज्ञ। *फोटो: हरिभूमि*

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा तीन टीम का गठन कर विकसित कृषि संकल्प अभियान चौथे दिन भी जारी रहा। टीम हुडीना, हाजिपुर, लहरोदा, कुकसी, मेई, गुलावला, झाड़ली, उच्चत व बाघोत गांवों का दौरा किया। टीम-2 का नेतृत्व वरिष्ठ संयोजक डॉ. जयलाल यादव ने बताया केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में विकसित कृषि संकल्प अभियान खरीफ-2025 के तहत 29 मई से 12 जून तक जिले के विभिन्न गांवों में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक गांव-गांव जाकर किसानों खरीफ फसलों की उन्नत कृषि क्रियाओं से अवगत करवाएंगे व उनकी समस्या जानेगें। इस दौरान किसानों को खरीफ फसल विशेषकर बाजरा, कपास, मूंग, ग्वार व तिल की उन्नत कृषि क्रिया के बारे जानकारी दी। उन्होंने बाजरा फसल में सफेद लट्ट तथा कपास फसल टिंडा गलन रोग व गुलाबी सुंडी के प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। टीम-एक का जिला विस्तार विशेषज्ञ (पौध रोग) डॉ. नरेंद्र यादव व जिला विस्तार विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) डॉ. पूनम यादव ने बताया कि कृषि के क्षेत्र में कार्य कर रही नवीन तकनीक जैसे मूल्य संवर्धन, फल व सब्जियों का परिक्षण तथा सुरक्षित अन्न भंडारण का प्रयोग कर अधिक लाभ कमाया जा सकता है। टीम-तीन का नेतृत्व जिला विस्तार विशेषज्ञ (सस्य विज्ञान) डॉ. आशीष शिवरान ने किसानों को कृषि में जल के उचित उपयोग को समझाते हुए ड्रिप सिंचाई प्रणाली, जल स्तर में गिरावट पर नियंत्रण, कम पानी खपत वाली फसल के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सिंचाई प्रणाली का आधुनिकरण करके सिंचित क्षेत्र का विस्तार किया गया। इससे सिंचित क्षेत्र व पैदावार में काफी वृद्धि हुई। इस दौरान संबंधित गांव के सरपंच मुख्यातिथि रहे। किसानों ने विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम की सराहना की और इस कार्यक्रम को शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को धन्यवाद दिया।

डेयरी के आधुनिकरण के बारे में विस्तार से बताय

इस मौके पर पशु पालन व डेयरी विभाग से डॉ. गरिमा, डॉ. मधुसुदन, डॉ. अनिल जलोवा, डॉ. अशोक कुमार, किसान कल्याण विभाग से उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. अजय यादव, पारस, रविंद्र, बहराम यादव, बागवानी विभाग से सांवरमल चौधरी, संदीप, सतीश कुमार, मत्स्य विभाग से सोमदत्त, मंजीत, महेश तथा इफको से महेश ने सरकार की योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र रिवासा से डॉ. योगेंद्र यादव ने डेयरी के आधुनिकरण के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 1500 से अधिक किसानों व महिलाओं को जानकारी दी गई।

सार्वजनिक सूचना

विषयः–अंतिम पंजीकरण संख्या 78 का स्थानांतरण, सफल आवेदक की मृत्यु) आम जनता और सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि रक्षा योजना के तहत अंतिम पंजीकरण संख्या 78, प्रांतीय पंजीकरण संख्या 185/एफबीडी 65/टी–बी/यूबीआई, सेक्टर–65 फरीदाबाद जो इस कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार श्री हो. शियार सिंह पुत्र लादू राम के नाम पर है। श्री धर्मेंद्र सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री होशियार सिंह द्वारा सूचित किया गया है कि श्री होशियार सिंह पुत्र लादू राम, जो ड्रॉ में सफल आवेदक थे, की 26.01.2020 को मृत्यु हो गई। उन्होंने सफल आवेदक की मृत्यु के आधार पर रक्षा योजना के तहत उक्त अंतिम पंजीकरण संख्या 78, प्रांतीय पंजीकरण संख्या 185/एफबीडी 65 /टी–बी/यूबीआई, सेक्टर–65 फरीदाबाद के स्थानांतरण के लिए दावा/आवेदन किया है। यदि किसी को रक्षा योजना के तहत उक्त अंतिम पंजीकरण संख्या 78, प्रांतीय पंजीकरण संख्या 185/एफबीडी65/टी–बी/यूबीआई, सेक्टर–65 फरीदाबाद को श्री धर्मेंद्र सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री होशियार सिंह निवासी गांव रायपुर की ढाणी, तहसील–बुहाना, जिला–झुंझुनू, राजस्थान के पक्ष में स्थानांतरित करने पर कोई आपत्ति है, तो वे इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में लिखित रूप में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, अन्यथा रक्षा योजना के तहत अंतिम पंजीकरण संख्या 78, प्रांतीय पंजीकरण संख्या 185 /एफबीडी 65 / टी–बी/यूबीआई, सेक्टर–65 फरीदाबाद को तदनुसार स्थानांतरित कर दिया जाएगा और बाद में किसी भी अन्य दावे पर विचार नहीं किया जाएगा। हस्ता.

मुख्य राजस्व अधिकारी
(पीएम) आवास बोर्ड हरियाणा, पंचकूला

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक व अन्य। फोटो : हरिभूमि

कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

महेंद्रगढ़। बाल चरित्र निर्माण सभा के मुख्य कार्यालय में सोमवार को कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन विधायक कंवर सिंह यादव ने किया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद् की संस्कार प्रमुख उमा खुराना व नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष रीना बंटी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान बाल चरित्र निर्माण सभा की तीनों संस्थानों के प्रमुख कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। राजेंद्र वानप्रस्थी ने तीन केंद्रों के लिए संस्करदीप, संकलन पत्र रतिराम, राजेंद्र गोड़, यशपाल शर्मा, सुरेश कुमार वर्मा को सौंपे।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को एसडीएम ने ली बैठक

नारनौल। नई अनाज मंडी नांगल चौधरी में खंड स्तर पर 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के संबंध में एसडीएम मनोज कुमार ने सोमवार को अपने कार्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली तथा आवश्यक दिशानिर्देश दिए। एसडीएम मनोज कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देशानुसार 21 जून को राज्य, जिला व ब्लॉक स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित होंगे।

निजामपुर रोड पर हादसे का शिकार अज्ञात व्यक्ति मिला

नारनौल। निजामपुर रोड पर मध्य रात्रि करीब एक बजे गोल्ड सिनेमा के समीप बने डिवाइडर के पास एक व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में मिला है। फोन से मिली सूचना के आधार पर रात्रि करीब एक बजे एंबुलेंस मौके पर पहुंची। तब वहां पर पुलिस भी मौजूद थी। पुलिस की मौजूदगी में ही एबुलेंस उक्त व्यक्ति को लेकर अस्पताल पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर केंद्रित 23वें संवेदीकरण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ आनलाइन माध्यम से किया गया। आठ दिवसीय इस राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम का उद्देश्य देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की व्यावसायिक क्षमताओं का विकास करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने उच्च शिक्षा के बदलते परिदृश्य पर प्रकाश डाला। शिक्षकों की भूमिका को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया तथा एनईपी 2020 के क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

नांगल चौधरी : वार्ड 11 के पाइप में कचरा फंसने से सीवर ओवरफ्लो, दुर्गंध से परेशानी

नारनौल रोड पर स्थित एसबीआई बैंक वाली गली में एक साल से सीवर ब्लॉक की बनी समस्या, शहरवासियों ने जताया आक्रोश

नांगल चौधरी। सीवर ब्लॉक होने से दूषित जलभराव पर आक्रोश व्यक्त करते शहरवासी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नपा के वार्ड 11 में एसबीआई बैंक वाली गली में सीवर ब्लॉक हो गई है। निकास नहीं होने के कारण आवासीय मकानों के सामने गंदगी युक्त जलभराव हो गया। जिसकी दुर्गंध में लोगों को सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। समस्या से विभागीय अधिकारियों को अवगत करवा दिया है, इसके बावजूद समाधान नहीं हुआ। जिससे आक्रोशित वार्ड वासियों ने विभाग को धरने प्रदर्शन का अल्टीमेटम दिया है। आपको बता दें कि नांगल चौधरी को 13 वार्डों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक वार्ड में पाइप दबाकर लोगों को सीवर की सुविधा मुहैया करवा दी। गंदगी का निकास कृष्णावती नदी में किया गया है, ताकि पाइप ब्लॉकेज की समस्या नहीं रहे, लेकिन एसबीआई बैंक वाली गली में पाइपों में पर्याप्त ढलान नहीं दिया।

जिस कारण कचरे का बहाव नहीं हो पाता। पाइपों में एकत्रित होने के कारण वार्ड 11 में ओवरफ्लो की स्थिति बनी हुई है। बारिश होते ही सीवर में जल का बहाव तेज हो जाता है। निकास नहीं होने के कारण पानी वापस टक्कर मारने लगा है। दो दिन पहले हुई बारिश के दौरान सीवर का पानी घरों के शौचालय से निकलना शुरू हो गया। इसके अलावा वार्ड 11 की इसी गली में बैंक, अस्पताल, फोरेस्ट तथा आंगनबाड़ी विभाग के कार्यालय स्थापित हैं। लोगों को दूषित जलभराव की बदबू के चलते परेशानी झेलनी पड़ती है। नजदीक मंदिर होने के कारण श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना करना मुश्किल हो गया है। परेशान लोगों को पब्लिक हेल्थ विभाग को समस्या से अवगत करवा दिया, उस दौरान अधिकारियों ने पांच से सात दिन में लाइन को साफ कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन छह महीने बीतने के बावजूद स्थिति यथावत बनी हुई है। उन्होंने विभाग को मानसून सक्रिय होने से पहले सीवर को दुरुस्त करने की गुहार लगाई है अन्यथा खंड मुखियालय पर धरने प्रदर्शन की रूपरेखा बनाई जाएगी।

कीचड़ में छात्राओं के फिसलने व कपड़े खराब होने की बढ़ी समस्या

युवा समाजसेवी सोनू तंवर, गोपीराम सोनी, सोमदत्त जांगिड़, कर्णसिंह, बाबूलाल, राजेंद्र पंवार, टिक्कम पंडित, केदार शर्मा व लीलाराम ने बताया कि इसी रास्ते से स्कूल व कॉलेज जाने वाली छात्राओं का आवागमन रहता है, वाहनों की स्पीड से कीचड़ उछलने उनके कपड़े खराब होने की समस्या बढ़ गई। कई छात्राएं तथा बुजुर्ग लोग जलभराव में फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं। समाधान के लिए लोग कभी नपा कार्यालय तो कभी जनस्वास्थ्य विभाग के चक्कर लगा रहे हैं।

सीवर सफाई के टैंडर छोड़े जल्द जारी होंगे वर्क ऑर्डर

जनस्वास्थ्य विभाग के कनिष्ठ अभियंता प्रवीण हुड्डा ने बताया कि एसबीआई बैंक वाले रास्ते में सीवर लाइन ब्लॉकेज की समस्या संज्ञान में हैं। समाधान के लिए टैंडर छोड़ दिए हैं जल्द ही वर्क ऑर्डर जारी कर दिए जाएंगे। हालांकि पाइप को फंटी की मदद से साफ करने के प्रयास किए गए थे, लेकिन मलबा ज्यादा फंसा होने के कारण सफलता नहीं मिली।

डायल-112 ने महिला को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया

सतनाली सड़क मार्ग पर करंट लगने से महिला गंभीर रूप से झुलसी, लोगों ने जताया आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

दुकानदारों ने कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण एक महिला को करंट लगा हैं, जिस पोल से करंट लगा है विभाग की तरफ से लगाया गया है

महेंद्रगढ़। रोष जताते आसपास के दुकानदार व नागरिक अस्पताल में महिला का उपचार करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

शहर के महाराणा प्रताप चौक से सतनाली जाने वाले सड़क मार्ग पर करंट लगने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। करंट लगने की सूचना आसपास के दुकानदारों ने डायल-112 को दी। मौके पर पहुंची डायल-112 ने महिला को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों महिला उपचार किया। इसके बाद चिकित्सकों ने महिला को खतरे से बाहर बताते हुए छुट्टी दे दी है। इस पूरे मामले को लेकर आसपास के दुकानदारों ने प्रशासन के खिलाफ रोष जताया है। दुकानदारों ने कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण एक महिला को करंट लगा हैं। क्योंकि बिजली विभाग की तरफ से जो पोल लगाया गया है। उसके तार जमीन को टच कर रहे हैं और महिला वहां से गुजर रही थी तो महिला को तार टच हो जाने की वजह से करंट लगा है। दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क मार्ग पर बारिश का पानी इकट्ठा हो जाने के कारण यह हादसा हुआ है। प्रशासन को सड़क मार्ग पर इकट्ठे होने वाले बरसाती पानी के निकासी का प्रबंध करना चाहिए, ताकि इस तरह की दोबारा से घटना ना कर सके। बता दें कि बीते सोमवार को क्षेत्र में आंधी के साथ तेज बरसात आई थी। बरसात के कारण सतनाली की ओर जाने वाले मार्ग पर पानी भर गया। बरसाती पानी से बचने के लिए गांव भड़फ निवासी एक महिला सरला अपने बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री लेने के लिए आई थी। यहां रोड पर भरे बरसाती पानी से बचाव को लेकर वह रोड से दूर एक पोल का सहारा लेकर निकलने लगी तो वहां पोल से मीटर बॉक्स में जा रहे खुले तार में करंट होने से महिला करंट की चपेट में आ गई। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना-112 नंबर पर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आसपास के लोगों के सहयोग से महिला को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने महिला का उपचार शुरू करने के बाद खतरे से बाहर बताया। दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क मार्ग पर बारिश का पानी इकट्ठा हो जाने के कारण यह हादसा हुआ है। प्रशासन को सड़क मार्ग पर इकट्ठे होने वाले पानी को निकाल जाए ताकि इस तरह की दोबारा से घटना ना कर सके।

नारनौल। मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

चुड़ीना में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नारनौल। चुड़ीना निवासी कन्हीराम की 22वीं पुण्यतिथि स्मृति में श्री गणेश कॉलेज आफ एजुकेशन के प्रांगण में स्वास्थ्य जांच व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गणेश एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन सुरेश जांगिड़ ने फीता काटकर और कॉलेज प्रांगण में 50 पौधे लगाकर स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमंत कुमार, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र यादव, सर्जन डॉ. कंवर सिंह, फिजिशियन डॉ. जतिन कुमार ने अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान की। संयोजक डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि कुल 820 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर निःशुल्क दवाइयां दी व 146 लोगों को आंखों के चश्में निःशुल्क प्रदान किए गए। संस्था के प्रधान सुरेश जांगिड़ ने अध्ययनरत छात्रों व उपस्थित गणमान्य लोगों को पर्यावरण में सुधार लाने हेतु पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस ने 9 किलो 394 ग्राम चूरा पोस्त किया बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

पेट्रोलिंग टीम ने ट्राला से चूरापोस्त पकड़वाया है। थाना सदर टीम ने नेशनल हाईवे 152 डी पर टोल प्लाजा जाट गुवाना से एक आरोपित को नशीले पदार्थ सहित पकड़ा है और चूरा पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने ट्राला से करीब नौ किलो 394 ग्राम चूरा पोस्त बरामद की है। आरोपित के खिलाफ थाना सदर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

हाईवे पेट्रोलिंग टीम ने थाना सदर पुलिस को सूचना दी कि नेशनल हाईवे 152 डी टोल प्लाजा पर एक ट्राला चालक नशे की हालत में घूम रहा हैं। अगर तुरंत मौके पर पहुंचकर ट्रक चालक व उसके ट्राला की तलाशी ली जाए तो अवैध नशीला पदार्थ बरामद हो सकता हैं। टीम ने ट्राला चालक को काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम प्रदीप सिंह वासी भादल थुआ थाना अमलु जिला फतेहगढ़ साहिब पंजाब बताया। ट्राला के पीछे बने लोहा बॉक्स की तलाशी लेने पर एक सफेद कट्टा में नशीला पदार्थ चुरापोस्त मिला। जिसका कांटा से वजन किया तो कट्टा सहित 9.394 किलोग्राम वजन हुआ। पुलिस ने नशीले पदार्थ व ट्राला को जब्त कर लिया तथा आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

पटाखों पर प्रतिबंध के लिए टीम गठित

नारनौल। सर्वोच्च न्यायालय के ओर से जारी दिशा निर्देशानुसार जिलाधीश डॉ. विवेक भारती ने आदेश पारित कर पटाखों पर प्रतिबंध, जब्ती व निपटान, जागरूकता तथा शिकायत निवारण के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तरीय टीमों का गठन किया है। जिलाधीश ने आदेशों में स्पष्ट किया है कि सर्वोच्च न्यायालय व हरियाणा सरकार के आदेशों के तहत एनसीआर जिले में वर्ष भर सभी प्रकार के पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इन आदेशों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जिला महेंद्रगढ़ के लिए कमेटी का गठन किया गया है। इस जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष उपायुक्त होंगे।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के 21 छात्रों ने जेईई एडवांस में मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। यदुवंशी स्कूल के विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के 21 विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित जेईई एडवांस परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इन छात्रों की उपलब्धि से संस्थान में हर्ष का माहौल है। वाइस प्रिंसिपल नरेश यादव ने कहा कि यह परिणाम छात्रों के अनुशासन और निरंतर अभ्यास का प्रतीक है। जिसमें निशांत पुत्र करन सिंह 324वीं रैंक प्राप्त करके अपने माता पिता, अध्यापक व संस्थान का नाम रोशन किया। इसी कड़ी में संस्थान के होनहार विद्यार्थी जतिन पुत्र नरेश यादव, अरुण पुत्र धर्मदत्त, दीपांशु पुत्र मनजीत सिंह, अमन गोयल पुत्र भूनेश कुमार, आर्यन पुत्र सुदेश, अंकित दहिया पुत्र मंजीत कुमार, विशांत पुत्र अशोक कुमार, रीतिका पुत्री वेदप्रकाश, मिलन पुत्र विक्रम सिंह, सिद्धार्थ पुत्र पवन कुमार, अंशु, दीक्षा यादव पुत्री सुभाष चंद, नेहा पुत्री सुनील गोयल आदि शामिल हैं। संस्था निदेशिका सुरेश यादव ने कहा कि यदुवंशी शिक्षा निकेतन ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि यहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाती है।

कांवी स्कूल में समर कैम्प आयोजित

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कांवी में प्राचार्य सुरेश कुमार के निर्देशन में समर कैंप का शुभारंभ संस्कृत प्रवक्ता सुनीता कुमारी ने किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश में विभागीय निर्देशानुसार दो जून से आठ जून तक प्रातः आठ से दोपहर 12 बजे तक सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप आयोजित किया जा रहा है। जिसमें प्रथम दिन हिंदी, संस्कृत, पंजाबी, तमिल, उर्दू आदि भाषाओं में अभिवादन का स्वरूप समझाया। अंग्रेजी प्रवक्ता डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने भारतीय भाषा समर कैंप के बारे में विस्तार से बताया। हिंदी प्रवक्ता मुंशीराम ने कार्यक्रम का मंच संचालन करते हुए कैंप में वर्णमाला, संख्या लेखन व हस्ताक्षर के बारे में जानकारी दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

निराश्रित जीवों की प्यास बुझाने के लिए वरदान है जलधारा अभियानः पवन

सेवा का अर्थ केवल मानव सेवा ही नहीं, जीवमात्र का कल्याण भी है: डॉ. संजय शर्मा

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से जलधारा अभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। जलधारा अभियान की शुरूआत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से जलधारा अभियान का शुभारंभ करते हुए नगर के विभिन स्थानों पर निराश्रित गोवंशों व अन्य पशुओं हेतु पानी के पात्र रखवाए गए। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह भीषण गर्मी में बेजुबान पशु पक्षियों को पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उदेश्य से ट्रस्ट की ओर से जलधारा अभियान आरंभ किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी पवन यादव उपस्थित रहे तथा अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने की। सामाजिक कार्यकर्ता रोटेरियन नवीन गुप्ता व रोटेरियन मुकेश देवी ने विशिष्ट अतिथि थे। जलधारा अभियान के संयोजक प्राचार्य दिनेश शर्मा व सुभाष सिंगला ने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्रथम चरण में नगर के 25 स्थानों पर निराश्रित पशुओं के लिए पानी की टंकियां रखवाई गई हैं। प्रथम चरण में ट्रस्ट के सदस्यों व सहयोगियों ने पानी की टंकियां उपलब्ध करवाई हैं, जो नगर के विभिन्न स्थानों पर रखवाई जाएंगी। जलधारा अभियान का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि पवन यादव ने कहा कि इस कार्यक्रम से प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से भीषण गर्मी में गली मोहल्लों में फिरने वाले जीव जंतुओं की प्यास बुझाने जैसे सेवा कार्य को पूर्ण किया जाएगा, जो कि सेवा का अनूठा अभियान है। अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि सेवा का अर्थ केवल मानव सेवा ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों की सेवा करना है। ट्रस्ट की ओर से गोवंश व अन्य जीवों की प्यास बुझाने के लिए किया गया प्रयास और विस्तृत रूप से चलाया जाएगा। नवीन गुप्ता व मुकेश देवी ने कहा कि परिवेश के सभी जीवों के कल्याण के लिए सोचना ही सच्ची सेवा है।

गली मोहल्लों में रखवाई जाएगी टंकियां

जलधारा अभियान के तहत ट्रस्ट की ओर से प्रत्येक मोहल्ले में जो पानी की टंकियां रखवाई जा रही हैं, उनके भरने की व्यवस्था व सफाई की जिम्मेदारी स्थानीय पशुप्रेमी व्यक्ति अथवा परिवारों को सौंपी जाएगी। गली मोहल्लों में मूक व आवारा घुमने वाले पशुओं की इस भयंकर गर्मी में पानी न मिलने के कारण दुर्दशा हो जाती है। पशुओं के लिए जलधारा अभियान वरदान साबित होगा। प्रथम चरण में 25 पानी की टंकियां रखवाने के उपरांत अन्य जरूरतमंद क्षेत्रों की पहचान कर सहयोगियों की मदद से और भी टंकियां रखवाने पर भी विचार किया जाएगा। टंकियां स्थापित करने का दायित्व ट्रस्टी नरोत्तम सोनी व ओशिन शुक्ला को सौंपा गया है।

इच्छुक व्यक्ति प्राप्त कर सकते है जलधारा पात्र

ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि कोई भी इच्छुक व्यक्ति पानी के पात्र के लिए ट्रस्ट के सदस्यों से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें टंकी की सफाई व पानी भरने के लिए आश्वस्त करना होगा। यह टंकी निःशुल्क मिलेगी।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में ट्रस्टी राकेश शर्मा, भीमसेन शर्मा, नरोत्तम सोनी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर नवीन गुप्ता, मुकेश देवी, संयोजक दिनेश शर्मा, सुभाष सिंगला, अजय शर्मा, ओशिन शुक्ला आदि मौजूद थे।